

## EXAM-DAY · 90-MIN REVISION CARD

**आत्म-परिचय · एक गीत — दिन जल्दी-जल्दी ढलता है**

Print this · Fold it · Carry to the exam-hall gate · Revise once · Then walk in.

**FORMULAS & KEY RESULTS**

कवि: हरिवंश राय बच्चन (1907-2003)

पाठ्य-पुस्तक: आरोह भाग 2 (NCERT, कक्षा 12 हिंदी आधार) — काव्य खंड, प्रथम अध्याय

कविताएँ: (1) आत्म-परिचय (2) एक गीत — दिन जल्दी-जल्दी ढलता है

साहित्यिक काल: छायावादोत्तर / हालावादा

मुख्य संग्रह: मधुशाला (1935), निशा-निमंत्रण, एकांत संगीत

आत्म-परिचय की केंद्रीय पंक्ति: 'मैं जग-जीवन का भार लिए फिरता हूँ / फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ'

रूपक: 'स्नेह-सुरा का पान' — स्नेह को मादक रस के रूप में

दिन जल्दी-जल्दी ढलता है की केंद्रीय पंक्ति: 'बच्चे प्रत्याशा में होंगे'

केंद्रीय भाव (आत्म-परिचय): व्यक्तित्व के विरोधाभासी ध्रुवों की सहज स्वीकृति

केंद्रीय भाव (दिन जल्दी-जल्दी): प्रत्याशा होने एवं प्रत्याशा न होने के बीच का भेद

मुख्य अलंकार: रूपक · अनुप्रास · पुनरुक्ति · प्रश्न · विरोधाभास

**TOP 5 PYQ PATTERNS**

- व्यक्तित्व के विरोधाभास  
5 marks · 95% of years  
परिभाषा · तीन उदाहरण पंक्ति-उद्धरण सहित · निष्कर्ष कि विरोधाभास ही व्यक्तित्व की पूर्णता है।
- जग-जीवन का भार  
3 marks · 90% of years  
भार का स्वरूप · 'लिए फिरता' क्रिया का महत्व · 'फिर भी प्यार' से अर्थ की पूर्णता।
- दिन जल्दी-जल्दी ढलता है का केंद्रीय भाव  
5 marks · 85% of years  
त्रिकोण — पथिक · पक्षी · कवि · प्रत्याशा बनाम अभाव · निष्कर्ष में बच्चन की मानव-संवेदना।
- स्नेह-सुरा का रूपक  
2 marks · 80% of years  
हालावादी सन्दर्भ · सुरा = स्नेह/प्रेम · शाब्दिक नहीं — रूपक। 1 पंक्ति-उद्धरण।
- पद्यांश-आधारित बोध (बच्चन की किसी एक पंक्ति पर)  
4 marks · 75% of years  
वक्ता पहचान · प्रसंग · पंक्ति का भाव · प्रयुक्त अलंकार/प्रतीक।

**90-MIN REVISION FLOW****0-15 मिनट**

दोनों कविताओं को NCERT से धीरे-धीरे पढ़ें। प्रत्येक पंक्ति में उद्धरण-योग्य अंश को रेखांकित करें।

**15-30 मिनट**

तीन केंद्रीय पंक्तियाँ — 'जग-जीवन का भार', 'स्नेह-सुरा का पान', 'बच्चे प्रत्याशा में होंगे' — को कंठस्थ करें। ये उत्तर के रीढ़-स्तम्भ हैं।

**30-45 मिनट**

विरोधाभास के तीन उदाहरण पंक्ति-उद्धरण सहित नोट करें — भार बनाम प्यार, रोना बनाम गाना, अकेलापन बनाम पूर्णता।

**45-60 मिनट**

5-अंकी विरोधाभास वाला उत्तर टोपर टेम्पलेट के अनुसार लिखें। 8-10 मिनट का समय निर्धारित करें।

**60-75 मिनट**

'दिन जल्दी-जल्दी' का त्रिकोण — पथिक/पक्षी/कवि — को बार-बार दोहराएँ। पक्षी की पंक्ति विशेष रूप से याद करें।

**75-90 मिनट**

आत्म-परीक्षण — क्या आप 'स्नेह-सुरा' का रूपक एक वाक्य में हालावादी सन्दर्भ सहित समझा सकते हैं? यदि हाँ — तैयारी पूर्ण है।

**Confidence, not anxiety.** You've practised this all year. Trust your steps. Don't change strategy on exam morning. Helpline: +91 70330 05444 · readyforboards.com